'इंस्पायरिंग वूमेन अवॉर्ड' से हुईं सम्मानित

पटना के चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान और एडवांटेज सपोर्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'जागृति' में महिलाओं के सशक्तिकरण और सुरक्षा पर ज़ोर दिया गया. बीडी कॉलेज की प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने कहा कि बेटों को महिलाओं का सम्मान करना सिखाना ज़रूरी है. इस अवसर पर 'इंस्पायरिंग वूमेन अवॉर्ड' से डॉ. उमैराह नाज रशीद, हीना रिजवी हैदर, नम्रता सिंह, शाहिना रजा खान, शीजन नेजामी, डॉ. साधना झा और नीलांजना शर्मा को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया.

Prabhat Khabar ! Page No - 07 ! Date - 09-03-2026 !

महिला दिवस पर सीआईएमपी-एडवांटेज सपोर्ट की ओर से जागृति कार्यक्रम

वो कश्तियां जिन्हें मौजों का डर नहीं होता...में महसूस हुई नारी शक्ति की गूंज

सिटी रिपोर्टर • पटना

वो कश्तियां जिन्हें मौजों का डर नहीं होता,नदी खुद उनको किनारे उतार देती है...इन खूबसूरत पंक्तियों के साथ जैसे ही उर्दू कवयित्री हिना रिजवी हैदर की आवाज सभागार में गूंजी, माहौल आत्मविश्वास से भर उठा। मौका रहा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान पटना और एडवांटेज सपोर्ट की ओर से रविवार को आयोजित जागृति कार्यक्रम का। यह कार्यक्रम संवाद आधारित श्रृंखला 'मैं हूं बिहार' के एपिसोड-10 के तहत हुआ। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत महिलाएं शिक्षा में रत्ना अमृत, चिकित्सा में मीना समांत, न्यायपालिका निवेदिता निर्विकार और साहित्य से जुड़ी डॉ. तिस्या श्री ने महिलाओं के हक पर चर्चा कीं। साथ ही कवयित्री हीना रिजवी, प्रेरणा प्रताप और डॉ. तिस्या श्री ने अपनी कविताओं से महिलाओं के संघर्ष व साहस को प्रस्तुत किया। हिना रिजवी हैदर ने कहा, *प्यास तरसी नहीं ऐसे कभी पानी के लिए, जैसे गम तरसे मेरे अश्क फिशानी के लिए...* डॉ. तिस्या श्री ने कहा, बड़े आसान लफ्जों में उसे सरेआम लिखती हूं, सुनो तो गीत लगता है, मगर पैगाम लिखती हूं... संचालन के दौरान प्रेरणा प्रताप ने अपनी भावपूर्ण पंक्तियों से पूरे सभागार को मंत्रमुग्ध कर दिया। बी.डी. कॉलेज पटना की प्राचार्य प्रो. रत्ना अमृत ने कहा कि हमें अपने परिवार में बेटों को यह सिखाना चाहिए कि वे महिलाओं का सम्मान करें। एडवांटेज सपोर्ट के संस्थापक सचिव खुर्शीद अहमद ने कहा कि महिलाओं के बिना दुनिया अधूरी है।

कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को 'इंस्पायरिंग वूमेन अवॉर्ड' दिया गया। इनमें चिकित्सा में डॉ. उमैराह नाज रशीद, कविता के लिए हीना रिजवी हैदर, सामाजिक क्षेत्र में नम्रता सिंह, शिक्षा में शाहिना रजा खान, मीडिया में शीजन नेजामी, उद्यमिता के क्षेत्र में डॉ. साधना झा और खेल में टेबल टेनिस खिलाड़ी नीलांजना शर्मा शामिल रहीं।

Dainik Bhaskar ! Page No - 07 ! Date - 09-03-2026 !

Bihar has done remarkable work in the field of women's empowerment: Ratna Amrit

Chandragupta Management Institute, Patna, and Advantage Support jointly organized a women-focused program, "Jagriti," as part of "Main Hoon Bihar" Episode 10 on Sunday

OUR CORRESPONDENT

PATNA: In the inaugural session, guest and CIMP Director Prof. Dr. Rana Singh said that women in our country have been given the status of goddesses. Worshiping women is part of our culture. International Women's Day sends us the message to give women equal status.

Further, Khurshid Ahmed, Founder and Secretary of Advantage Support, said that the world is incomplete without women. As mothers, sisters, daughters, and wives, women are the support of our lives. A home is made up of women. Today, women have proven through their abilities that they can run the state and even the country. He said that many good programs have been organized in Patna under the "Main Hoon Bihar" series. Programs focusing on sports and industry will also be organized in the coming days.

In a panel discussion at the event, senior Patna High Court advocate Nivedita Nirvikar said that many laws have been enacted to prevent atrocities against women, but there is a need to properly implement them.

Poets Heena Rizvi, Prerna Pratap, and Dr. Tisya Sri extolled the importance and glory of women through their poems. In these poems, they beautifully described the struggles, sacrifices, and abilities of women, receiving widespread applause.

Rajshree Pillai delivered the vote of thanks at the end of the program. Present on the occasion were a large number of teachers and students, including CIMP's Chief Administrative Officer, Kumud Kumar. Jyoti Mishra anchored the program, while Prerna Pratap served as moderator.

Morning India ! Page No - 03 ! Date - 09-03-2026 !

परिवार में बेटों को सिखाएं महिलाओं का सम्मान करना

जागरण संवाददाता, पटना : चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान, पटना (सीआइएमपी) और एडवांटेज सपोर्ट के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को 'मैं हूं बिहार' एपिसोड-10 के तहत महिलाओं पर केंद्रित कार्यक्रम 'जागृति' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद बीडी कालेज, पटना की प्राचार्या प्रो. रत्ना अमृत ने कहा कि हमें अपने परिवार में बेटों को सिखाना चाहिए कि वे महिलाओं का सम्मान करें। महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिए पुलिस को सजग और संवेदनशील होना होगा।

उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, बिहार ने महिलाओं के सशक्तीकरण के क्षेत्र में काफी शानदार काम किया है, जो आज एक मिसाल बन गया है। सीआइएमपी के निदेशक प्रो.राणा सिंह ने कहा कि हमारे देश में नारियों को देवी का दर्जा दिया गया है। नारियों की पूजा करना हमारी संस्कृति रही है। एडवांटेज सपोर्ट के संस्थापक और सचिव खुर्शीद अहमद ने कहा कि औरतों के बिना यह दुनिया अधूरी है। मां, बहन, बेटी और पत्नी के रूप में महिलाएं हमारे जीवन का सहारा होती हैं। घर औरतों से ही बनता है। कार्यक्रम में अधिवक्ता निवेदिता निर्विकार, डा. मीना सामंत, लायंस क्लब की पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नम्रता सिंह ने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रो. राजश्री पिल्लई, शिशु रोग विशेषज्ञ डा. उमैराह नाज राशिद, शिक्षाविद शाहिना रजा खान, तेजलीन बजाज, शीजन नेजामी, कवयित्री हीना रिजवी, प्रेरणा प्रताप, डा. तिष्या श्री आदि कई महिलाओं ने भाग लिया। समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को 'इंस्पायरिंग वूमेन अवार्ड' से सम्मानित किया गया।

सीआइएमपी में आयोजित जागृति कार्यक्रम में प्रो . रत्ना अमृत को स्मृति चिह्न देते निदेशक प्रो . राणा सिंह, साथ में खुर्शीद अहमद व कुमोद कुमार। ● सौः आयोजक

Dainik Jagran ! Page No - 15 ! Date - 09-03-2026 !

महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में बिहार ने किया है शानदार काम : रत्ना अमृत

पटना (आससे)। पटना में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान में महिलाओं पर केंद्रित कार्यक्रम जागृति का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम चंद्रगुप्त प्रबंध संस्थान और एडवांटेज सपोर्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित संवाद श्रृंखला मैं हूं बिहार के दसवें संस्करण के तहत संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून, समाजसेवा और मीडिया से जुड़े कई विशिष्ट लोगों ने भाग

लिया और महिला सशक्तिकरण के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बी. डी. कॉलेज पटना की प्राचार्या प्रोफेसर रत्ना अमृत ने कहा कि बिहार ने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किया है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों और स्थानीय निकायों में महिलाओं को आरक्षण मिलने से समाज में बड़ा सकारात्मक बदलाव आया है। आज राज्य में महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के बेहतर अवसर मिल रहे हैं, जिससे उनमें जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि परिवार में बेटों को बचपन से ही महिलाओं का सम्मान करना सिखाया जाना चाहिए तथा महिलाओं पर होने वाले अत्याचार को रोकने के लिए प्रशासन को संवेदनशील और सजग होना होगा।

Aaj ! Page No - 05 ! Date - 09-03-2026 !